

विश्व स्ट्रोक दिवस: स्ट्रोक जागरूकता के लिए सुरुं का सहारा, गुरुग्राम में डॉक्टरों की अनूठी पहल

डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी कल अपने स्टेथोस्कोप की जगह माइक थामेंगे, जब पहली बार आयोजित होने वाला 'सिंग फॉर स्ट्रोक - गुरुग्राम्स गॉट टैलेंट' मंच पर अपनी शुरुआत करेगा। 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस से पहले आयोजित इस संगीत प्रतिभा प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में बढ़ते स्ट्रोक के मामलों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

इस प्रतियोगिता का पहला संस्करण मंगलवार, 27 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इसमें शहर भर के डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी और संगीत प्रेमी मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से अस्पतालों और क्लीनिकों में दिनभर मरीजों की सेवा करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों का एक अलग और रचनात्मक पक्ष भी सामने आएगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, गुरुग्राम द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों की योजना इसे हर साल आयोजित करने की है, ताकि स्ट्रोक के प्रति जागरूकता शहर के वार्षिक आयोजनों का नियमित हिस्सा बन सके। प्रतियोगिता के विजेताओं को ₹1,00,000 की नकद पुरस्कार राशि दी जाएगी।

मैरिंगो एशिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो एंड स्पाइन (M.I.N.S.), मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. प्रवीण गुप्ता ने कहा, "स्ट्रोक अब केवल बुजुर्गों तक सीमित बीमारी नहीं रह गई है। हम युवाओं में भी इसके मामले देख रहे हैं, जिसका एक प्रमुख कारण इसके शुरुआती लक्षणों को पहचानने में चूक या उन्हें नजरअंदाज करना है। हमें इसके प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है और संगीत उन लोगों तक भी यह संदेश पहुंचा सकता



है, जो शायद किसी चिकित्सकीय व्याख्यान में शामिल न हों। यदि इस कार्यक्रम के माध्यम से एक भी परिवार स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानना सीखता है और समय पर मरीज को अस्पताल पहुंचाता है, तो इस शाम का उद्देश्य सफल हो जाएगा।"

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के शोध के मुताबिक, म्यूजिक थेरेपी स्ट्रोक के मरीजों को दोबारा गाना गाने और अपनी बोलने की क्षमता सुधारने में मदद कर सकती है। इस थेरेपी के माध्यम से मरीजों की वाणी और संवाद करने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। संगीत आधारित पुनर्वास स्ट्रोक के बाद बोलने में होने वाली कठिनाइयों से उबरने की प्रक्रिया में मददगार हो सकता है। यह पहल इस बात को भी रेखांकित करती है कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि स्ट्रोक के बाद

रिकवरी में सहायक भूमिका निभाने वाला एक महत्वपूर्ण साधन भी हो सकता है।

डॉक्टरों के अनुसार, युवाओं में स्ट्रोक के बढ़ते मामलों का संबंध उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तनाव, धूम्रपान और निष्क्रिय जीवनशैली जैसे कारकों से है। चेहरे का एक ओर झुक जाना, हाथ में कमजोरी आना या बोलने में लड़खड़ाहट जैसे लक्षणों को समय रहते पहचानना और मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाना उसके उपचार और रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

"संगीत उपचार करता है, जागरूकता जीवन बचाती है" के संदेश पर आधारित यह कार्यक्रम मनोरंजन के साथ स्वास्थ्य शिक्षा को भी जोड़ता है। इसका उद्देश्य संगीत के माध्यम से लोगों तक स्ट्रोक की समय पर पहचान और तत्काल चिकित्सा सहायता का महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाना है।